SUB. : Hindi
STD. : 10 (English)
TIME: 3 hrs
DATE: 23-Sep-2021

www.scholarsclasses.com/blog **Marks: 80**

विभाग १ - गदय : 20 अंक

Q.1 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः-

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

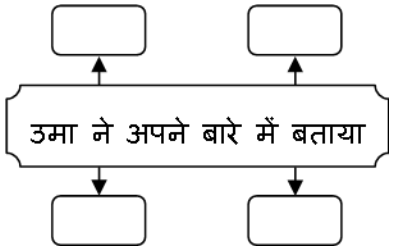

उमाः अब मुझे कह लेने दीजिए बाबू जी ।
गो. प्रसादः (ताव में आकर) बाबू रामस्वरूप, आपने मेरी इज्जत उतारने के लिए मुझे यहाँ बुलाया था?
उमाः (तेज आवाज में) जी हाँ, और हमारी बेइज्जती नहीं होती जो आप इतनी देर से नाप-तौल कर रहे हैं ?
शंकरः बाबू जी, चलिए ।
गो. प्रसादः क्या तुम कॉलेज में पढ़ी हो? (रामस्वरूप चुप)
उमाः जी हाँ, मैं कॉलेज में पढ़ी हूँ । मैंने बी.ए. पास किया है । कोई पाप नहीं किया, कोई चोरी नहीं की और न आपके पुत्र की तरह लड़कियों के होस्टल में ताक-झाँककर कायरता दिखाई है । मुझे अपनी इज्जत, अपने मान का खयाल तो है । लेकिन इनसे पूछिए कि ये किस तरह नौकरानी के पैरों में पड़कर अपना मुँह छिपाकर भागे थे ।
रामस्वरूपः उमा, उमा !!
गो. प्रसादः (खड़े होकर गुस्से में) बस हो चुका । बाबू रामस्वरूप आपने मेरे साथ दगा किया । आपकी लड़की बी.ए. पास है और आपने मुझसे कहा था कि सिर्फ मैट्रिक तक पढ़ी है । (दरवाजे की ओर बढ़ते हैं ।)
उमाः जी हाँ, जाइए, जरूर चले जाइए ! लेकिन घर जाकर जरा यह पता लगाइएगा कि आपके लाड़ले बेटे के रीढ़ की हड्डी भी है या नहीं- याने बैकबोन, बैकबोन-[बाबू गोपाल प्रसाद के चेहरे पर बेबसी का गुस्सा है और उनके लड़के के रुलासापन । दोनों बाहर चले जाते हैं ।

A2) वाक्य पूर्ण कीजिए :- 2

1)
i. आप इतनी देर से नाप-तौल / लेखा - जोखा कर रहे हैं |
ii. मुझे अपनी प्रतिष्ठा / इज्जत अपने मन का खयाल तो है |

2)
i. अपने मुझसे कहा था कि सिर्फ ..... तक पढ़ी है | (मैट्रिक / बी.ए./एम.ए.)
ii. आपके ..... बेटे के रीढ़ की हड्डी भी\ है या नहीं | (प्यारे / लाड़ले / दुलारे)

A3) दिए गए अव्ययों से वाक्य बनाइए। 2

1) और।

2) साथ।

A4) स्वमत :- 2

समाज के भीतर बदलते रिश्ते और मानवीय संबंधो पर 8 से 10 वाक्यों में अपने विचार लिखिए |

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः-

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

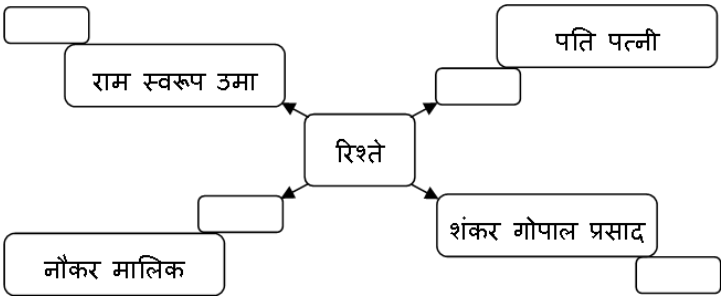

रामस्वरूपः (दरवाजे से बाहर झाँककर) अरे प्रेमा, वे आ भी गए । ... तुम उमा को समझा देना, थोड़ा-सा गा देगी ।
रामस्वरूपःहँ-हँ-हँ । आइए, आइए ! [बाबू गोपाल प्रसाद बैठते है ।] हँ हँ !... मकान ढूँढ़ने में कुछ तकलीफ तो नहीं हुई ?
गो. प्रसादः (खँखारकर) नहीं । ताँगेवाला जानता था । रास्ता मिलता कैसे नहीं?
रामस्वरूपः हँ-हँ-हँ ! (लड़के की तरफ मुखातिब होकर) और कहिए शंकर बाबू, कितने दिनों की छुट्टियाँ हैं?
शंकरः जी, कॉलेज की तो छुट्टियाँ नहीं हैं । 'वीक एंड' में चला आया था ।
रामस्वरूपः तो आपके कोर्स खत्म होने में तो अब साल भर रहा होगा?
शंकरः जी, यही कोई साल-दो साल ।
रामस्वरूपः साल, दो साल?
शंकरः हँ-हँ-हँ !... जी एकाध साल का 'मार्जिन' रखता हूँ ।
गो. प्रसादः (अपनी आवाज और तरीका बदलते हुए) अच्छा तो साहब, फिर 'बिजनेस, की बातचीत हो जाए ।
रामस्वरूपः (चौंककर) बिजनेस'?- (समझकर) ओह !... अच्छा, अच्छा। लेकिन जरा नाश्ता तो कर लीजिए ।
गो. प्रसादः यह सब आप क्या तकल्लुफ करते हैं !
रामस्वरूपः हँ-हँ-हँ ! तकल्लुफ किस बात का। यह तो मेरी बड़ी तकदीर है कि आप मेरे यहाँ तशरीफ लाए । (अंदर जाते हैं।)
गो. प्रसादः (अपने लड़के से) क्यों, क्या हुआ ?
शंकरः कुछ नहीं ।
गो. प्रसादः झुककर क्यों बैठते हो ? ब्याह तय करने आए हो, कमर सीधी करके बैठो । तुम्हारे दोस्त ठीक कहते हैं कि शंकर की 'बैकबोन'-[इतने में बाबू राम स्वरूप चाय की 'ट्रे' लाकर मेज पर रख देते हैं।]

A2) i) निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए। 1

i. गोपालप्रसाद को मकान ढूँढ़ने में तकलीफ हुई।
ii. कॉलेज की तो छुट्टियाँ नहीं है।

ii) निम्न शब्दों के लिए प्रश्न तैयार कीजिए :- 1

i. साल।
ii. ब्याह।

A3) i) परिच्छेद में प्रयुक्त अंग्रेजी के शब्द लिखिए। 1

i. .....।
ii. .....।

ii) मानक वर्तनी के अनुसार शब्द लिखिए। 1

i. अन्दर - .....।
ii. शक्ङर - .....।

A4) स्वमत :- 2

'महिलाएँ सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं' इस विषय पर 8 से 10 पंक्तियों में अपने विचार लिखिए।

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

1 A1) i) पद्यांश में प्रयुक्त दो भाषाओं के नाम लिखिए। 1

१. ..... २. .....

ii) उत्तर लिखिए :- 1

लखनऊ इसके लिए विश्वप्रसिद्ध है।

भारत के सर्वाधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ है। लखनऊ उस क्षेत्र में स्थित है जिसे ऐतिहासिक रूप से अवध क्षेत्र के नाम से जाना जाता है। यह हमेशा से बहु सांस्कृतिक शहर रहा है। नजाकत

और तहज़ीब वाली यह नगरी दशहरी आम के बाग, लज़ीज व्यंजन तथा चिकन की कढ़ाई के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यह हिंदी और ऊर्दू साहित्य के केंद्रो में से एक है। ऐतिहासिक दृष्टि से भी लखनऊ को विशिष्ट स्थान प्राप्त है। इन नगरी में छोटा इमाम बाड़ा, बड़ा इमामबाड़ा रेजीडेंसी, शहीद स्मारक जैसे प्रमुख दर्शनीय स्थल है।

A2) स्वमत :- 2

'ताजमहल' के विषय में पाँच - छह वाक्य लिखिए।

विभाग २ - पदय : 12 अंक

Q.2 (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :- **(6)**

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

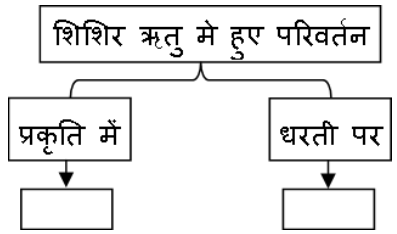

2) पद्मदल तलों में बिलखाते है - [ ]

बीत गया हेमंत भ्रात, शिशिर ऋतु आई ! प्रकृति हुई द्युतिहीन, अवनि में कुंझटिका है छाई |
पड़ता खूब तुषार पद्मदल तालों में बिलखाते, अन्यायी नृप के दंडों से यथा लोग दुख पाते |
निशा काल में लोग घरों में निज-निज जा सोते हैं, बाहर श्वान, स्यार चिल्लाकर बार-बार रोते हैं |
अर्द्धरात्रि को घर से कोई जो आँगन को आता, शून्य गगन मंडल को लख यह माँ में है भय पाता |

A2) निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए। 2

1) लोग दिन में घरों में सोते है

2) शून्य गगन मंडल को देखकर मन डरता है \|

A3) भावार्थ लिखिए :- 2

निशा काल में लोग घरों में निज-निज जा सोते हैं,
बाहर श्वान, स्यार चिल्लाकर बार-बार रोते हैं \| अर्द्धरात्रि को घर से कोई जो आँगन को आता,
शून्य गगन मंडल को लख यह माँ में है भय पाता \|

(आ) निम्नलिखित पठित पदयांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :- **(6)**

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

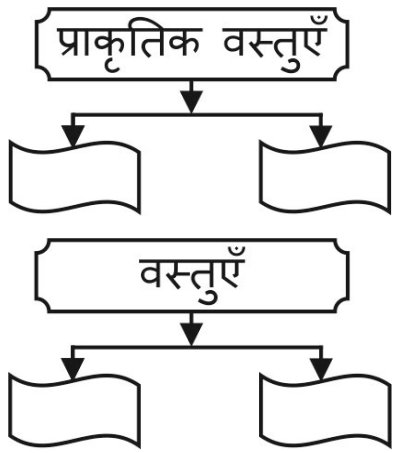

घन घमंड नभ गरजत घोरा | प्रिया हीन डरपत मन मोरा ||
दामिनि दमक रहहिं घन माहीं | खल कै प्रीति जथा थिर नाहीं ||

बरषहिं जलद भूमि निअराएँ | जथा नवहिं बुध विद्या पाएँ ||
बूँद अघात सहहिं गिरि कैसे | खल के बचन संत सह जैसे ||

A2) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1) निम्न अर्थ को प्रकट करने वाली पक्तियाँ लिखिए :
विद्वान् विद्या पर विनम्र हो जाता है .....

2) निम्न अर्थ को प्रकट करने वाली पक्तियाँ लिखिए :
दुष्ट का प्रेम स्थिर नहीं रहता है .....

A3) भावार्थ लिखिए :- 2

घन घमंड नभ गरजत घोरा | प्रिया हीन डरपत मन मोरा ||
दामिनि दमक रहहिं घन माहीं | खल कै प्रीति जथा थिर नाहीं ||
बरषहिं जलद भूमि निअराएँ | जथा नवहिं बुध विद्या पाएँ ||
बूँद अघात सहहिं गिरि कैसे | खल के बचन संत सह जैसे ||

विभाग ३ - पूरक पठन : 8 अंक

Q.3 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः- **(4)**

1 **A1)** कारण लिखिए :- 2

1) लाडली को नींद नही आ रही थी - .....

2) लाडली ने अपनी पूड़ियाँ चिपाकर रखी - .....

पंडित बुद्धिराम काकी को देखते ही क्रोध से तिलमिला गए । पूड़ियों का थाल लिए खड़े थे । थाल को जमीन पर पटक दिया और जिस प्रकार निर्दयी महाजन अपने किसी बेईमान और भगोड़े कर्जदार को देखते ही झपटकर उसका टेंटुआ पकड़ लेता है उसी तरह लपक उन्हें अंधेरी कोठरी में धम से पटक दिया । आशा रूपी वाटिका लू के एक झोंके में नष्ट -विनष्ट हो गई ।

मेहमानों ने भोजन किया । घरवालों ने भोजन किया परंतु बूढ़ी काकी को किसी ने न पूछा । बुद्धिराम और रूपा दोनों ही बूढ़ी काकी को उनकी निर्लज्जता के लिए दंड देने का निश्चय कर चुके थे । उनके बुढ़ापे पर, दीनता पर, हतज्ञान पर किसी को करुणा न आई थी, अकेली लाड़ली उनके लिए कुढ़ रही थी ।

लाड़ली को काकी से अत्यंत प्रेम था । बेचारी भोली लड़की थी । बालविनोद और चंचलता की उसमें गंध तक न थी । दोनों बार जब उसके माता-पिता ने काकी को निर्दयता से घसीटा तो लाड़ली का हृदय ऐंठकर रहगया । वह झुँझला रही थी कि यह लोग काकी को क्यों बहुत-सी पूड़ियाँ नहीं दे देते । उसने अपने हिस्से की पूड़ियाँ बिलकुल न खाई थीं । अपनी गुड़ियों की पिटारी में बंद कर रखी थीं । उन पूड़ियों को काकी के पास ले जाना चाहती थी । उसका हृदय अधीर हो रहा था । बूढ़ी काकी मेरी बात सुनते ही उठ बैठेंगी, पूड़ियाँ देखकर कैसी प्रसन्न होंगी ! मुझे खूब प्यार करेंगी ।

रात के ग्यारह बज गए थे । रूपा आँगन में पड़ी सो रही थी । लाड़ली की आँखों में नींद न आती थी । काकी को पूड़ियाँ खिलाने की खुशी उसे सोने न देती थी । उसने पूड़ियों की पिटारी सामने ही रखी थी । जब विश्वास हो गया कि अम्मा सो रही हैं, तो अपनी पिटारी उठाई और बूढ़ी काकी की कोठरी की ओर चली ।

सहसा उनके कानों में आवाज आई-"काकी, उठो मैं पूड़ियाँ लाई हूँ ।" काकी ने लाड़ली की बोली पहचानी । चटपट उठ बैठीं । दोनों हाथों से लाड़ली को टटोला और उसे गोंद में बैठा लिया । लाड़ली ने पूड़ियाँ निकालकर दीं ।

काकी ने पूछा-"क्या तुम्हारी अम्मा ने दी हैं ?"

लाड़ली ने कहा-"नहीं, यह मेरे हिस्से की हैं ।"

काकी पूड़ियों पर टूट पड़ीं । पाँच मिनट में पिटारी खाली हो गई ।

लाड़ली ने पूछा-"काकी, पेट भर गया ।"

जैसी थोड़ी-सी वर्षा, ठंडक के स्थान पर और भी गर्मी पैदा कर देती है उसी भाँति इन थोड़ी पूड़ियों ने काकी की क्षुधा और इच्छा को और उत्तेजित कर दिया था । बोली-"नहीं बेटी, जाकर अम्मा से और माँग लाओ ।"

लाड़ली ने कहा-"अम्मा सोती हैं, जगाऊँगी तो मारेंगी ।"

काकी ने पिटारी को फिर टटोला । उसमें कुछ खुरचन गिरे थे । उन्हें निकालकर वे खा गईं । बार-बार होंठ चाटती थीं, चटखारें भरती थीं ।

A2) स्वमत :- 2

'बच्चों का अपने दादा-दादी से लगाव होता है' इस विचार को स्पष्ट की जिए।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः- **(4)**

1 **A1)** i) परिणाम लिखिए :- 1

i. सितारों का छिपना।
ii. तुम्हारा गीतों को स्वर।

ii) उत्तर लिखिए :- 1

निम्न पंक्तियों से मिलने वाला संदेश लिखिए।
सितारे छिपे बादलों की ओट में।

चलती साथ पटरियाँ रेल की फिर भी मौन ।	
	सितारे छिपे बादलों की ओट में सूना आकाश ।
तुमने दिए जिन गीतों को स्वर हुए अमर ।	
	सागर में भी रहकर मछली प्यासी ही रही ।

A2) स्वमत :- 2

'जीवन सुख - दुख का संगम है " इस पर अपने विचार प्रकट कीजिए|

विभाग ४ - भाषा अध्यन (व्याकरण) : 14 अंक

Q.4 **सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-**

(1) **अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए :-** **(1)**

यहाँ हमने डॉल्फिन मछलियाँ देखी ।

(2) **निम्नलिखित अव्यय शब्दों मे से किसी एक का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :-** **(1)**

(i) जो -

(ii) के लिए

(3) **तालिका पूर्ण कीजिए (कोई एक) :-** **(1)**

संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
i)	काल + अंतर	.....
ii)	पर + उपकार	.....

(4) **सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए (कोई एक) :-** **(1)**

(i) रमेश अचानक गिर पड़ा।

(ii) इसके बाद हम लोग दिन भर पणजी शहर देखते रहे ।

(5) **'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए (कोई एक) :-** **(1)**

शब्द	प्रथम प्रेरनार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
जीतना	.....	.....

(6) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :-** **(1)**

तुम दिन भर अमीर आदमी बनने के बारे में ही सोचते रहते हो।
(सपने देखना, सपने सँजोना)

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए

1) खेद होना -

2) तशरीफ लाना -

(7) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए :- **(1)**

1) राम ने रावण को लंका मे बाण से मारा |

2) अपने पास एक डायरी रखते थे।

(8) वाक्य में यथास्थान विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए :- **(1)**

1) दाता होगा तो दे देगा खाता होगा तो खाएगा

2) मैंने इसी समय यानी सन् १९३० में कबीर का रहस्यवाद लिखा

(9) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए (कोई दो) :- **(2)**

(i) बेचारी को आराम मिलेगा। (सामान्य भूतकाल)

(ii) उसने रोमांचक दृश्य देखा| (अपूर्ण भूतकाल)

(iii) जीवनशास्त्री मशवरा देते है। (सामान्य भूतकाल)

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए :- **(1)**

पिताजी ने मुझे सामाजिक आंदोलनों में जाने से नहीं रोका|

(ii) सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए :- **(1)**

तुम्हें शीघ्रता से जाना चाहिए। (विधानार्थक वाक्य)

(11) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :- **(2)**

(i) सास अपना बेटी को भी ले आई है।

(ii) माँ के आँखों में आँसू आई।

विभाग ५ - उपयोजित लेखन : 26 अंक

Q.5 (अ) (1) पत्र लेखन - **(5)**

निम्नलिखित जानकारी पर आधारित पत्रलेखन कीजिए : -

प्रभादेवी, स्टेशन रोड कानपुर को / खेल सामग्री मँगवाने हेतु / 24/103 प्रयागराज से पत्र लिखता / लिखती है | सुशील / सुशीला चौबे |

OR

केशवसृष्टि, गणेशगंज, नालासोपारा ठाणे से मोहिनी / मोहित भानुशाली, 302 / 1105, दर्शनपुरवा, कानपुर निवासी अपनी सहेली मित्र गोपाल / गुड़िया चौबे को अपने बड़े भाई की शादी में सम्मिलित होने के लिए पत्र लिखता / लिखती है।

(2) गदय आकलन - **(4)**

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर एक-एक वाक्य में उत्तरवाले चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में हों :-

भाग्य पर विश्वास करने वालों का दावा है कि पिछले जन्मों के कर्मों के अनुसार सफलता या असफलता मिलती है और सुख-दुख आते हैं। कई बार भरकर प्रयत्न करने के बाद भी व्यक्ति असफल हो जाता है, तो दुखी हो उठता है। यह मानने के लिए उसे व्यावाहारिक ज्ञान, सूझ-बूझ, धैर्य, आत्मविश्वास, एकाग्रता आदि कई गुण आवश्यक है। काम को बिना समझे, गलत ढंग से, उचट मन से, उद्देश की पूरी और स्पष्ट जानकारी पाए बिना कितना भी परिश्रमपूर्वक किया जाय, तो भी सफलता मिलना संभव नहीं होता है। जब आवश्यक गुणों के अभाव में मेहनत करने वाले को सफलता नहीं मिलती तो कहा जाता है कि पिछले जन्म के कर्मों के कारण उसे सफलता नहीं मिली। तब व्यक्ति अपने भाग्य को अपनी असफलता का उत्तरदायी मानकर चुप बैठ जाता है। भाग्यवाद व्यक्ति को

निराश, निष्क्रिय और अकर्मण्य बना देता है। अगर असफलता के कारणों को ढूंढा जाए और पुरुषार्थी बनकर उस काम को फिर से करने का संकल्प किया जाए तो असफलता के कारणों से बचने की सूझ आती है और व्यक्ति सफल हो सकता है।

(आ) (1) वृत्तांत लेखन - **(5)**

टैगोर विद्यालय, पुणे में मनाए गए वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आँखों देखा हाल लिखिए।

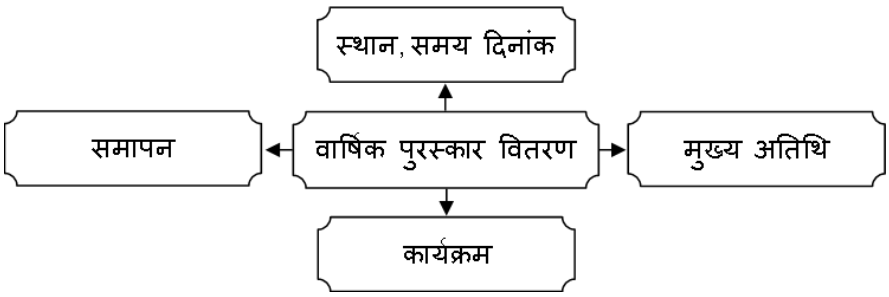

अथवा

कहानी लेखन - **(5)**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखए, और उचित शीर्षक दीजिए :-

गाँव में लड़कियाँ - सभी पढ़ने में होशियार - गाँव में पानी का अभाव - लड़कियों का घर के कामों में सहायता करना - बहुत दूर से पानी लाना - पढ़ाई के लिए कम समय मिलना - लड़कियों का समस्या पर चर्चा करना - समस्या सुलझाने का उपाय खोजना - गाँववालों की सहायता से प्रयोग करना - सफलता पाना - शीर्षक।

(2) विज्ञापन लेखन - **(5)**

आदर्श विज्ञापन तैयार कीजिए।

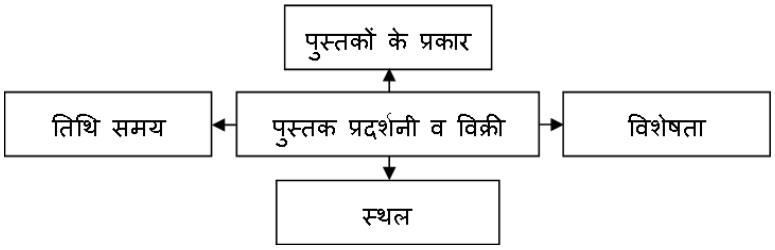

(इ) निबंध लेखन - **(7)**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :-

(1) मेरी अविस्मरणीय यात्रा

(2) सह – शिक्षा

(3) भारतीय किसान की आत्मकथा